Legal Awareness, Constitutional Values, and Cyber Security.

Rajasthan State Legal Services Authority (RSLSA) has initiated a state-wide legal awareness campaign named as **Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally** to sensitize students of Classes 8 to 12 on laws, constitutional values, rights, and responsibilities. The setting of the campaign was done by the direction of the Acting Chief Justice of the Rajasthan High Court, Justice Sanjeev Prakash Sharma. It was officially established on 20 February 2026 by a State-Level Conference on Cyber Law led by Supreme Court Chief Justice Justice Suryakant and will start to be implemented nationwide starting on 7 April 2026. The project is set to bring students to a legal mind, social conscience and more equipped to handle current legal and cyber issues. Organized according to the uploaded format guide.

The main characteristics of the Initiative

- Special legal awareness sessions will be conducted by approximately 1,400 judicial officers, including District Judges, to low-level officers.
- The sessions will be conducted in 1,400 schools that will be identified in Rajasthan.
- The campaign will target at least 4 lakh students in a day.

Practical information will be provided to the students on:

- Daily life laws
- constitutional rights and obligations.

- legal aid
- child rights
- women's rights
- security against computer crimes.
- responsible citizenship

The program is aimed at not only increasing awareness but also gaining respect to law and social responsibility among the students.

Cyber security must be considered as a special focus

Cyber security has been given special importance under the campaign.

The students will be sensitised over:

- cyber bullying
- digital arrest scams
- online fraud
- safe use of social media.

Distribution of legal awareness material and booklets will also be undertaken as per the theme which is Think Before You Click.

This focus is part of the increased significance of cyber safety in the lives of school-going children and young citizens.

Court Wali Didi Complaint Boxes

Specific complaint and suggestion boxes known as "**Court Wali Didi** " will be placed in schools.

Through these boxes, students can share:

- legal problems
- complaints
- doubts or queries
- Students will be in a position to do so, but anonymously, without disclosing their identity.
- Legal advice and assistance would also be availed after examination of complaints.
- The feature makes the campaign more interactive and approachable to students.

Purposes and Greater Markings

Objectives

- To create legal literacy among Grade 8-12 students.
- To acquire knowledge about the constitutional values, rights, and duties.

RASonly

- To create awareness on legal assistance and daily legal matters.
- To prepare the students to be safe with cyber threats and other digital dangers.
- To foster the development of responsible and conscious citizens.

Broader Significance

- The campaign is not a single day event but a legal awareness programme that is going to be carried out continuously.
- Awareness sessions involving schools with judicial officers, panel advocates, and legal volunteers will be regular every Tuesday.
- Information and awareness material will also be distributed on digital platforms and mobile groups of parents.
- This will not only assist the campaign to reach the students, but also the entire society.
- The program can make legal literacy stronger on the grassroots level and transform it into a larger social movement.

Applicability to RAS Examination.

- The initiative is relevant in the context of 4 Polity, Governance, Judiciary, Social Justice, and Cyber Awareness.
- It emphasizes the role of the Legal Services Authorities in advancing access to justice and legal education to the populace.
- It also indicates the increasing significance of the concepts of cyber safety and constitutional literacy in the policy.
- Questions may take the form of legal aid, constitutional values, judicial outreach, and student-oriented governance programs.

Conclusion

RSLSA Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally is a step in the right direction of creating a legally conscious and responsible young generation in Rajasthan. The campaign is more than just formal education and promotes law as a daily part of being a citizen by integrating constitutional education, legal literacy, support of grievances and awareness of cyber safety. It can be able to empower law both at the school and society levels.

MCQs

1. What institution has started the campaign “Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally"?

a) RPSC, Rajasthan.

RASonly

b) Rajasthan State Legal Services Authority.

c) Rajasthan State Human Rights Commission.

d) School Education, Rajasthan.

Answer: b

2. Under the RSLSA campaign, the special complaint and suggestion boxes that will be placed in schools are referred to as:

a)The Sandesh Petika of the Nyaya, the singular of Nyaya Sutta.

b) Vidhi Mitra Box

c) Court Wali Didi

d) Kanoon Saathi Box.

Answer: c

3. The campaign, Transformative Tuesdays: Navigating Life Legally, has specifically focused on which of the following themes?

a) Agricultural marketing awareness.

b) Digital entrepreneurship education.

c) Online behaviour and cyber security.

d) Traffic and road safety.

Answer: c

RASonly

विधिक जागरूकता, संवैधानिक मूल्य और साइबर सुरक्षा

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों को कानून, संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के लिए राज्यव्यापी अभियान **"परिवर्तनकारी मंगलवार: विधिक रूप से जीवन का मार्गदर्शन"** प्रारम्भ किया है। यह अभियान राजस्थान उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा के मार्गदर्शन में शुरू किया गया। इसका औपचारिक शुभारम्भ **20 फ़रवरी 2026** को साइबर विधि पर आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन के अवसर पर भारत के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश **न्यायमूर्ति सूर्यकांत** द्वारा किया गया, जबकि इसका प्रदेशव्यापी क्रियान्वयन **7 अप्रैल 2026** से आरम्भ होगा। यह पहल विद्यार्थियों को विधिक रूप से जागरूक, सामाजिक रूप से उत्तरदायी तथा समकालीन विधिक और साइबर चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक सक्षम बनाने का प्रयास है।

पहल की प्रमुख विशेषताएँ

- लगभग **1,400 न्यायिक अधिकारी**, जिनमें जिला न्यायाधीश से लेकर कनिष्ठ स्तर तक के अधिकारी शामिल हैं, विशेष विधिक जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे।
- ये सत्र राजस्थान के **1,400 चिन्हित विद्यालयों** में आयोजित किए जाएंगे।
- इस अभियान के माध्यम से एक ही दिन में **4 लाख से अधिक विद्यार्थियों** तक पहुँचने का लक्ष्य है।
- विद्यार्थियों को निम्न विषयों पर व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी:
    - दैनिक जीवन से जुड़े कानून
    - संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य
    - निःशुल्क विधिक सहायता
    - बाल अधिकार
    - महिला अधिकार
    - साइबर अपराधों से सुरक्षा
    - उत्तरदायी नागरिकता
- यह कार्यक्रम केवल जागरूकता बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में कानून के प्रति सम्मान और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का भी उद्देश्य रखता है।

साइबर सुरक्षा पर विशेष ध्यान

- इस अभियान में **साइबर सुरक्षा** को विशेष महत्व दिया गया है।
- विद्यार्थियों को निम्न विषयों पर जागरूक किया जाएगा:
    - साइबर उत्पीड़न
    - डिजिटल गिरफ्तारी से जुड़े छल
    - ऑनलाइन धोखाधड़ी
    - सामाजिक माध्यमों का सुरक्षित उपयोग
- **"क्लिक करने से पहले सोचो"** विषय पर आधारित विधिक जागरूकता सामग्री और पुस्तिकाएँ भी वितरित की जाएँगी।
- यह विशेष ध्यान वर्तमान समय में स्कूली बच्चों और युवाओं के जीवन में डिजिटल सुरक्षा के बढ़ते महत्व को दर्शाता है।

RASonly

'कोर्ट वाली दीदी' शिकायत पेटियाँ

- विद्यालयों में **'कोर्ट वाली दीदी'** नाम से विशेष शिकायत और सुझाव पेटियाँ स्थापित की जाएँगी।
- इनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी:
    - विधिक समस्याएँ
    - शिकायतें
    - शंकाएँ अथवा प्रश्न
      साझा कर सकेंगे।
- विद्यार्थी यह सब **गोपनीय रूप से**, बिना अपनी पहचान बताए कर सकेंगे।
- शिकायतों की जाँच के बाद आवश्यकतानुसार विधिक सलाह और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।
- यह व्यवस्था अभियान को अधिक सहभागितापूर्ण और विद्यार्थी-अनुकूल बनाती है।

उद्देश्य और व्यापक महत्व

उद्देश्य

- कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों में विधिक साक्षरता विकसित करना।
- संवैधानिक मूल्यों, अधिकारों और कर्तव्यों की समझ बढ़ाना।
- विधिक सहायता और दैनिक जीवन से जुड़े कानूनी विषयों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों को साइबर खतरों और डिजिटल जोखिमों से सुरक्षित रहने के लिए तैयार करना।
- जागरूक और उत्तरदायी नागरिकों का निर्माण करना।

व्यापक महत्व

- यह अभियान एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि **सतत विधिक जागरूकता अभियान** है।
- प्रत्येक मंगलवार को न्यायिक अधिकारियों, पैनल अधिवक्ताओं और विधिक स्वयंसेवकों द्वारा विद्यालयों में नियमित जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएंगे।
- जानकारी और जागरूकता सामग्री डिजिटल माध्यमों तथा अभिभावकों के मोबाइल समूहों के माध्यम से भी प्रसारित की जाएगी।
- इससे यह अभियान केवल विद्यार्थियों तक ही नहीं, बल्कि व्यापक समाज तक भी पहुँचेगा।
- यह पहल जमीनी स्तर पर विधिक साक्षरता को मजबूत कर उसे एक बड़े सामाजिक आंदोलन का रूप दे सकती है।

RASonly

आर.ए.एस. परीक्षा के लिए प्रासंगिकता

- यह पहल **राजव्यवस्था, सुशासन, न्यायपालिका, सामाजिक न्याय और साइबर जागरूकता** के दृष्टिकोण से महत्त्वपूर्ण है।
- यह विधिक सेवा प्राधिकरणों की उस भूमिका को रेखांकित करती है, जिसके माध्यम से न्याय तक पहुँच और जनसामान्य में विधिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाता है।
- यह सार्वजनिक नीति में **साइबर सुरक्षा** और **संवैधानिक साक्षरता** के बढ़ते महत्व को भी दर्शाती है।
- इस विषय पर प्रश्न विधिक सहायता, संवैधानिक मूल्यों, न्यायिक पहुँच और छात्र-केंद्रित शासकीय पहलों से पूछे जा सकते हैं।

निष्कर्ष

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की "परिवर्तनकारी मंगलवार" पहल राजस्थान में विधिक रूप से जागरूक और उत्तरदायी युवा पीढ़ी के निर्माण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। संवैधानिक शिक्षा, विधिक साक्षरता, शिकायत निवारण सहायता और साइबर सुरक्षा जागरूकता को एक साथ जोड़कर यह अभियान कानून को दैनिक नागरिक जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास करता है। यह विद्यालय और समाज, दोनों स्तरों पर विधिक सशक्तिकरण को मजबूत कर सकता है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. "परिवर्तनकारी मंगलवार: विधिक रूप से जीवन का मार्गदर्शन" अभियान किस संस्था द्वारा प्रारम्भ किया गया है?
a) राजस्थान लोक सेवा आयोग
b) राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण
c) राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग
d) राजस्थान विद्यालय शिक्षा विभाग

उत्तर: b

व्याख्या: यह अभियान **राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण** द्वारा कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। इसका लक्ष्य संवैधानिक मूल्यों, विधिक अधिकारों, कर्तव्यों, निःशुल्क विधिक सहायता और साइबर सुरक्षा के प्रति समझ विकसित करना तथा विद्यार्थियों में उत्तरदायी नागरिकता की भावना को मजबूत करना है।

2. इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में लगाई जाने वाली विशेष शिकायत और सुझाव पेटियों को क्या नाम दिया गया है?
a) न्याय संदेश पेटिका
b) विधि मित्र पेटिका
c) कोर्ट वाली दीदी
d) कानून साथी पेटिका

उत्तर: c

RASonly

व्याख्या: इस अभियान के अंतर्गत विद्यालयों में **'कोर्ट वाली दीदी'** नामक विशेष शिकायत और सुझाव पेटियाँ लगाई जाएँगी। इनके माध्यम से विद्यार्थी अपनी विधिक समस्याएँ, शिकायतें या शंकाएँ बिना पहचान बताए साझा कर सकेंगे। शिकायतों की जाँच के बाद आवश्यक विधिक परामर्श और सहायता उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे यह पहल अधिक सुलभ और विद्यार्थी-केंद्रित बनती है।

3. "परिवर्तनकारी मंगलवार: विधिक रूप से जीवन का मार्गदर्शन" अभियान में निम्न में से किस विषय पर विशेष बल दिया गया है?

a) कृषि विपणन जागरूकता
b) डिजिटल उद्यमिता प्रशिक्षण
c) साइबर सुरक्षा और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार
d) सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन

उत्तर: c

व्याख्या: इस अभियान का एक प्रमुख केंद्र **साइबर सुरक्षा और सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार** है। विद्यार्थियों को साइबर उत्पीड़न, डिजिटल गिरफ्तारी जैसे छल, ऑनलाइन धोखाधड़ी और सामाजिक माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के बारे में जागरूक किया जाएगा। साथ ही, **"क्लिक करने से पहले सोचो"** विषय पर आधारित सामग्री भी वितरित की जाएगी, जिससे वे डिजिटल खतरों से बेहतर ढंग से निपट सकें।

Physiotherapy, Traditional Health Knowledge, Medical Education.

The two-day Rajasthan Physio Summit 2026 was inaugurated by the Speaker of the Legislative Assembly, Vasudev Devnani in Birla Auditorium, Jaipur. In his speech at the seminar, he added that physiotherapy is not a treatment technique, but rather a

service and spiritual discipline. He encouraged physiotherapists to revisit the traditions of the ancient Indian wisdom of medicine and work towards a holistic approach to medicine.

The major highlights of the Summit are as follows

- The summit was held on the theme of Physiotherapy to Physiopathy.
- Over 30 universities of the country participated in the two-day seminar with more than 2000 participants.
- Vasudev Devnani told us that the holistic approach, which is currently being talked about in the field of physiotherapy, had been instituted by the Indian sages thousands of years ago.
- He mentioned such concepts as prana, nadi, chakra, balance, and energy flow and stated that these terms today are being comprehended all over the world as neuro-rehabilitation, mind-body connection, and functional recovery.
- He beckoned students to relocate out of the treatment to comprehension, out of the comprehension to awareness and out of the awareness to mankind.

The Indian Tradition of Health and the World Acceptance.

- Devnani opined that Prime Minister Narendra Modi created a historic milestone when he launched the International Yoga Day that provided the Indian culture of health with a new international identity. In his view, the International Yoga Day is now being observed and embraced by countries in the world irrespective of religion.
- He also added that India is a treasure trove of knowledge and had never sought to dominate, but it must become a mentor to the rest of the world. He defined the role of India as a teacher of civilisational age.

Physiotherapy is a science that is holistic.

- According to the Speaker, the name of the conference, the Rajasthan Physio Summit 2026, represents a larger transformation in medicine, in which treatment does not just focus on the body, but extends to the knowledge of the entire human life.

- He elaborated physiotherapy is not all about exercise or rehabilitation. Instead it is a science of knowing the language of the body. Physiotherapy needs to learn to listen and comprehend the messages that the body sends through pain.
- He also instructed students of physiotherapy that they are not just picking out a profession, but creating a worldview. He said that a patient is not to be perceived as a simple case, but he is living consciousness.

RASonly

Concerns that were raised throughout the event.

- In response to the call of establishment of postgraduate faculty in physiotherapy, Devnani indicated that it would need sustained and concerted efforts. He also emphasized that there was need to have a proper registration of appropriate individuals and institutions in the field of physiotherapy.
- He used to award people who had made significant work during the ceremony by giving them trophies.

Important Dignitaries Present

Some notable guests were also present at the first session and they included:

- Promod Yeole is a Vice-Chancellor of the Rajasthan University of Health Sciences.
- Dr. S. S. Agrawal, Chairman of the AIIMS Jodhpur and ex- President of the Indian Medical Association.
- Harish Rajani is the Chairman of Sunrise Group.
- Anil Gupta, the Director of Jai Durga Group.
- Ram Babu Sharma is a professor at R. R. Group of Institutions.
- Rajendra Chaudhary, a chairman of Vinayak Group of Institutions.
- Dean and Chairman of the Summit Dr. Dhruv Teja.

Conclusion

Rajasthan Physio Summit 2026 emphasized the importance of linking contemporary physiotherapy with the Indian systems of knowledge. The show portrayed physiotherapy as a technical field of medicine, but more importantly, physiotherapy was portrayed as a humane and holistic science, focused on service, awareness and full recovery.

MCQs

1. What is the location of the inauguration of Rajasthan Physio Summit 2026?

a) Rajasthan University of Health science.

b) Auditorium, Jaipur, Birla.

c) AIIMS Jodhpur

d) Rajasthan Legislative Assembly.

Response: b) Birla Auditorium, Jaipur.

RASonly

2. The following are some of the concepts of ancient India that were discussed by Vasudev Devnani:

a) Laser correction and quantum healing.

b) Tissue mapping and gene editing.

c) prana, nadi, chakra, balance and flow of energy.

d) Bioprinting, implants and robotics.

Response: c) Prana, nadi, chakra, balance and flow of energy.

3. The main focus of physiotherapy should be perceived as:

a) Rehabilitation technique only.

b) Surgery support of some kind.

c) a discipline that strengthens the muscle only.

d) A science, knowing the language of the body.

Answer: d) A science which knows the language of the body.

फिजियोथेरेपी, पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान, चिकित्सीय शिक्षा

दो दिवसीय **राजस्थान फिजियो समिट 2026** का उद्घाटन राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष **वासुदेव देवनानी** ने जयपुर के **बिड़ला सभागार** में किया। सेमिनार को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि फिजियोथेरेपी को केवल उपचार की तकनीक के रूप में नहीं, बल्कि **सेवा और साधना** के माध्यम के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने फिजियोथेरेपिस्टों से भारत की प्राचीन चिकित्सीय परंपराओं की ओर पुनः लौटने और चिकित्सा के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया।

समिट की प्रमुख विशेषताएँ

- समिट का आयोजन **"फिजियोथेरेपी से फिजियोपैथी"** विषय पर किया गया।
- दो दिवसीय इस सेमिनार में देश के **30 विश्वविद्यालयों** के **2000 से अधिक प्रतिभागियों** ने भाग लिया।
- वासुदेव देवनानी ने कहा कि फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में जिस समग्र दृष्टिकोण की आज चर्चा हो रही है, उसे भारतीय ऋषियों ने हजारों वर्ष पहले स्थापित कर दिया था।
- उन्होंने **प्राण, नाड़ी, चक्र, संतुलन और ऊर्जा प्रवाह** जैसे सिद्धांतों का उल्लेख किया और कहा कि आज इन्हें विश्व स्तर पर **तंत्रिका पुनर्वास, मन-शरीर संबंध और क्रियात्मक पुनर्प्राप्ति** जैसे रूपों में समझा जा रहा है।
- उन्होंने विद्यार्थियों से उपचार से समझ, समझ से चेतना और चेतना से मानवता की ओर बढ़ने का आह्वान किया।

RASonly

भारत की स्वास्थ्य परंपरा और वैश्विक स्वीकृति

देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री **नरेंद्र मोदी** ने **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** की शुरुआत करके एक ऐतिहासिक कार्य किया, जिससे भारत की स्वास्थ्य परंपरा को वैश्विक पहचान मिली। उनके अनुसार आज विश्व के अनेक देश, चाहे वे किसी भी धर्म के अनुयायी हों, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को अपना रहे हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत ज्ञान का भंडार है और उसका उद्देश्य कभी प्रभुत्व स्थापित करना नहीं रहा, बल्कि विश्व का मार्गदर्शक बनना रहा है। उन्होंने भारत की भूमिका को एक प्राचीन सभ्यतागत शिक्षक के रूप में प्रस्तुत किया।

फिजियोथेरेपी एक समग्र विज्ञान

विधानसभा अध्यक्ष के अनुसार **राजस्थान फिजियो समिट 2026** केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि चिकित्सा के क्षेत्र में हो रहे व्यापक परिवर्तन का प्रतीक है। अब उपचार केवल शरीर तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि मनुष्य के संपूर्ण अस्तित्व को समझने की दिशा में बढ़ रहा है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि फिजियोथेरेपी केवल व्यायाम या पुनर्वास तक सीमित नहीं है। यह शरीर की भाषा को समझने का विज्ञान है। जब शरीर दर्द के माध्यम से संकेत देता है, तो फिज़ियोथेरेपी का दायित्व उन संकेतों को सुनना और समझना होता है।

उन्होंने फिजियोथेरेपी के विद्यार्थियों से कहा कि वे केवल एक पेशा नहीं चुन रहे हैं, बल्कि एक दृष्टिकोण का निर्माण कर रहे हैं। रोगी को केवल एक साधारण प्रकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक जीवित चेतना के रूप में देखा जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान उठाए गए मुद्दे

फिजियोथेरेपी में **स्नातकोत्तर संकाय** स्थापित करने की मांग पर प्रतिक्रिया देते हुए देवनानी ने कहा कि इसके लिए निरंतर और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता होगी। उन्होंने यह भी कहा कि फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में उपयुक्त व्यक्तियों और संस्थानों का सही पंजीकरण भी अत्यंत आवश्यक है।

समारोह के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले व्यक्तियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।

उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्ति

उद्घाटन सत्र में अनेक विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख थे—

- **प्रमोद येवोले** — राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति
- **डॉ. एस. एस. अग्रवाल** — अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के अध्यक्ष तथा भारतीय चिकित्सक संघ के पूर्व अध्यक्ष
- **हरीश राजानी** — सनराइज़ समूह के अध्यक्ष
- **डॉ. अनिल गुप्ता** — जय दुर्गा समूह के निदेशक
- **राम बाबू शर्मा** — आर. आर. समूह ऑफ इंस्टीट्यूशन्स से संबद्ध

RASonly

- **राजेन्द्र चौधरी** — विनायक समूह ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के अध्यक्ष
- **डॉ. ध्रुव तेजा** — समिट के अधिष्ठाता और अध्यक्ष

निष्कर्ष

राजस्थान फिजियो समिट 2026 ने इस बात पर बल दिया कि आधुनिक फिजियोथेरेपी को भारत की पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जोड़ना समय की मांग है। इस आयोजन ने फिजियोथेरेपी को केवल एक तकनीकी चिकित्सीय विधा के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, जागरूकता और संपूर्ण स्वास्थ्य पुनर्प्राप्ति पर आधारित एक मानवीय और समग्र विज्ञान के रूप में प्रस्तुत किया।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. राजस्थान फिजियो समिट 2026 का उद्घाटन कहाँ किया गया?
a) राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय
b) बिड़ला सभागार, जयपुर
c) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर
d) राजस्थान विधानसभा

उत्तर: b) बिड़ला सभागार, जयपुर

2. वासुदेव देवनानी ने भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा के किन सिद्धांतों का उल्लेख किया?
a) क्वांटम उपचार और लेज़र सुधार
b) ऊतक मानचित्रण और जीन संपादन
c) प्राण, नाड़ी, चक्र, संतुलन और ऊर्जा प्रवाह
d) जैव-मुद्रण, प्रत्यारोपण और रोबोटिकी

उत्तर: c) प्राण, नाड़ी, चक्र, संतुलन और ऊर्जा प्रवाह

3. समिट में दिए गए वक्तव्य के अनुसार फिजियोथेरेपी को मुख्यतः किस रूप में देखा जाना चाहिए?
a) केवल पुनर्वास तकनीक
b) शल्य चिकित्सा की सहायक पद्धति
c) केवल मांसपेशियों को मजबूत करने वाला अभ्यास
d) शरीर की भाषा को समझने वाला विज्ञान

उत्तर: d) शरीर की भाषा को समझने वाला विज्ञान

RASonly

Crude Oil Production in Rajasthan, Baghewal Oil Field, Energy Security.

Rajasthan has also registered a significant growth in crude oil production at the Baghewala Oil Field in Jaisalmer where the production has increased by approximately 70 percent. This is happening when the world oil industry is under pressure because of the conflict in West Asia. The success has enhanced the energy security of India and the contribution of Rajasthan in the hydrocarbon industry. This has been termed by the oil India Limited as a significant milestone in production in the Thar Desert region. This increase has been occasioned by better operations and the application of the CSMS technology where 13 new wells were sunk this year and 19 wells were finished.

The main Highlights of the Production Increase.

- The production of crude oil at the Baghewala Oil Field has grown by approximately 70 percent.
- Daily production has increased by 705 barrels per day to 1,202 barrels per day.
- Annual production in 2025–26 reached 43,773 metric tonnes.
- Last year, the production was at 32,787 metric tonnes.
- Oil India has finished the work of the CSMS in 19 wells, which is approximately 72 percent more than the last year.
- Since 2017, the company has been continuously producing crude oil at the Baghewala field.

The Baghewala Oil Field is strategically important

One of the few heavy oil fields in India is the Baghewala Oil Field in the Bikaner Nagaur sub-basin. Its enhanced production is not only significant to the economy of Rajasthan but also to the pressure on imported crude oil. The report observes that the increase in production has also brought into focus the role of the contribution of the state of Jaisalmer and Rajasthan towards national energy security.

Field Profile and Infrastructure.

Important Features

- The Baghewala field was discovered in 1991.
- It covers an area of 200.26 square kilometres.
- There are a total of 52 wells in the field.
- Of these, there are 33 active wells.

The transportation and refining process is carried out in two stages:

Transportation and Refining

- The Baghewala field is used to produce crude oil, which is transported by tankers to the ONGC plant at Mehsana in Gujarat. It is then transported via a pipeline to the Koyali Refinery, which is run by Indian Oil Corporation Limited.

Conclusion

The sudden increase in crude oil production in the Baghewala Oil Field of Rajasthan is a big step towards the state and the country. As the daily and annual production increased, the well operations improved, and the field has been producing since 2017, it has become a significant source of energy security in India and the domestic oil production capacity.

MCQs

1. Which district of Rajasthan is the Baghewala Oil Field, which has been in the news recently due to the increased production of crude oil?

a) Barmer

b) Jaisalmer

c) Bikaner

d) Jodhpur

RASonly

Answer: b) Jaisalmer

2. The report indicates that the daily production of crude oil at the Baghewala Oil Field rose to:

a) 705 barrels per day.

b) 943 barrels per day.

c) 1,202 barrels per day

d) 1,500 barrels per day

Answer: c) 1,202 barrels per day

3. Which refinery does the crude oil of the Baghewala field finally go to after it has been received at the ONGC plant at Mehsana?

a) Mathura Refinery

b) Panipat Refinery

c) Paradip Refinery

d) Koyali Refinery

Explanation : d) Koyali Refinery.

राजस्थान में कच्चे तेल का उत्पादन, बागेवाला तेल क्षेत्र, ऊर्जा सुरक्षा

राजस्थान ने जैसलमेर स्थित **बागेवाला तेल क्षेत्र** में कच्चे तेल के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जहाँ उत्पादन में लगभग **70 प्रतिशत** की बढ़ोतरी हुई है। यह वृद्धि ऐसे समय में हुई है, जब **पश्चिम एशिया** के संघर्ष के कारण वैश्विक तेल उद्योग दबाव में है। इस उपलब्धि ने भारत की **ऊर्जा सुरक्षा** को मजबूत किया है और हाइड्रोकार्बन क्षेत्र में राजस्थान के योगदान को और अधिक महत्त्वपूर्ण बनाया है। **ऑयल इंडिया लिमिटेड** ने इसे थार मरुस्थल क्षेत्र में उत्पादन का एक बड़ा मील का पत्थर बताया है। यह वृद्धि बेहतर परिचालन और **सीएसएमएस तकनीक** के उपयोग से संभव हुई, जिसके अंतर्गत इस वर्ष 13 नए कुएँ खोदे गए और 19 कुओं में कार्य पूरा किया गया।

उत्पादन वृद्धि की मुख्य विशेषताएँ

- बागेवाला तेल क्षेत्र में कच्चे तेल के उत्पादन में लगभग **70 प्रतिशत** की वृद्धि हुई है।
- दैनिक उत्पादन **705 बैरल प्रतिदिन** से बढ़कर **1,202 बैरल प्रतिदिन** हो गया है।
- **2025–26** में वार्षिक उत्पादन **43,773 मीट्रिक टन** तक पहुँच गया।
- पिछले वर्ष उत्पादन **32,787 मीट्रिक टन** था।

RASonly

- ऑयल इंडिया ने 19 कुओं में **सीएसएमएस** कार्य पूरा किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग **72 प्रतिशत अधिक** है।
- कंपनी **2017** से बागेवाला क्षेत्र में लगातार कच्चे तेल का उत्पादन कर रही है।

बागेवाला तेल क्षेत्र का सामरिक महत्व

बीकानेर–नागौर उप-बेसिन में स्थित बागेवाला तेल क्षेत्र भारत के कुछ गिने-चुने भारी तेल क्षेत्रों में से एक है। इसका बढ़ा हुआ उत्पादन केवल राजस्थान की अर्थव्यवस्था के लिए ही महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता का दबाव कम करने में भी सहायक है। इस वृद्धि ने **जैसलमेर** और **राजस्थान** की राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा में भूमिका को और अधिक स्पष्ट किया है।

क्षेत्रीय स्वरूप और आधारभूत संरचना

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ

- बागेवाला क्षेत्र की खोज **1991** में हुई थी।
- यह क्षेत्र **200.26 वर्ग किलोमीटर** में फैला हुआ है।
- इस क्षेत्र में कुल **52 कुएँ** हैं।
- इनमें से **33 कुएँ सक्रिय** हैं।

परिवहन और परिशोधन प्रक्रिया

बागेवाला क्षेत्र से निकाले गए कच्चे तेल को **टैंकरों** के माध्यम से गुजरात के **मेहसाणा स्थित ओएनजीसी संयंत्र** तक पहुँचाया जाता है। इसके बाद इसे **पाइपलाइन** द्वारा **इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड** की **कोयली तेल परिशोधनशाला** तक भेजा जाता है।

निष्कर्ष

राजस्थान के बागेवाला तेल क्षेत्र में कच्चे तेल के उत्पादन में हुई तीव्र वृद्धि राज्य और देश दोनों के लिए एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। दैनिक और वार्षिक उत्पादन में बढ़ोतरी, कुओं के बेहतर संचालन और 2017 से निरंतर उत्पादन के कारण यह क्षेत्र भारत की ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू तेल उत्पादन क्षमता का एक महत्त्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. हाल ही में कच्चे तेल के उत्पादन में वृद्धि के कारण चर्चा में रहा बागेवाला तेल क्षेत्र राजस्थान के किस जिले में स्थित है?

a) बाड़मेर
b) जैसलमेर
c) बीकानेर
d) जोधपुर

उत्तर: b) जैसलमेर

RASonly

2. रिपोर्ट के अनुसार बागेवाला तेल क्षेत्र में कच्चे तेल का दैनिक उत्पादन बढ़कर कितना हो गया है?
a) 705 बैरल प्रतिदिन
b) 943 बैरल प्रतिदिन
c) 1,202 बैरल प्रतिदिन
d) 1,500 बैरल प्रतिदिन

उत्तर: c) 1,202 बैरल प्रतिदिन

3. मेहसाणा स्थित ओएनजीसी संयंत्र तक पहुँचने के बाद बागेवाला क्षेत्र का कच्चा तेल अंततः किस परिशोधनशाला में भेजा जाता है?
a) मथुरा परिशोधनशाला
b) पानीपत परिशोधनशाला
c) पारादीप परिशोधनशाला
d) कोयली तेल परिशोधनशाला

उत्तर: d) कोयली तेल परिशोधनशाला

RASonly